बाबा खोल किवाड़ | By Pinki Gehlot

बाबा खोल किवाड़ तेरा टाबर करे पुकार
दिन गिन महीना बीत गया ना होवे इंतज़ार

तेरे दरश को व्याकुल नैना ये तरसे
याद में तेरी सारी सारी रात बरसे
सावन में तुम बिन ना है कोई बहार
दिन गिन महीना बीत गया ना होवे इंतज़ार

गलती हुई क्या हमसे इतना बता दो
नादान हैं हम अब ना इतनी सजा दो
तुम बिन सब सूना है जीवन लागे बेकार
दिन गिन महीना बीत गया ना होवे इंतज़ार

फागुन के पाछे बाबा हमें खून भुलाये
पीहर है म्हारो खाटू काहे ना बुलाये
बाबुल से मिलने को मिक्कू है बेकरार
दिन गिन महीना बीत गया ना होवे इंतज़ार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%96%e0%a5%8b%e0%a4%b2-%e0%a4%95%e0%a4%bf%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%a1%e0%a4%bc-by-pinki-gehlot/